सिस्टम चेन्ज

श्री बृम्हांड नायक चंरण वंदना

भारत से अपहरण का खात्मा

भारत से अपहरण का खात्मा समस्या

1. आज । हमारे भारत मे । कुछ गिरोह । इंसानों । य बच्चों का । अपहरण करके । अभिभावकों से । मनचाहा धन । वसूल करते हैं ।
2. आज नागरिक । अपहरण क्यों करता है । क्योंकी

समस्या नगद रूपया नोट धन

1. आज विश्व मे । य भारत मे । नगद रूपया नोट के चलन से ।
2. नगद रूपया नोट व्दारा । कुछ भी । खरीदी कर सकने की आजादी से ।
3. नगद रूपया नोट व्दारा । कितना भी । खरीदी कर सकने से ।
4. नगद रूपया नोट को । कैसे भी । खर्चा कर सकने की आजादी से ।
5. हमेशा । बहुत । बडे बडे । भयंकर । अपराध होते है ।
6. आज विश्व मे । य किसी भी । भारतीय नागरिक के पास । रूपया नोट । किसी भी रास्ते से आये ।
7. चाहे 1. चोरी से आए । 2. डकैती से आए । 3. लूटमार से आए । 4. जेब कतरी से आए । 5. अपहरण से आए । 6. जाली नोटो से आये । 7. सट्टा से आए । 8. मटका से आए । 9. जुंवा से आए । 10. झूंठ बोल कर आए । 11. छलकपट करके आए । 12. बेईमानी करके आए । 13. गद्दारी करके आए । 15. धोखा देकर आए । 16. तस्करी से आए । 17. नशीला पदार्थ बेंचकर आये । 18. हवाला से आए । 19. हप्ता वसूली से आए । 20. गाडियाँ चोरी से आए । 21. सोना लूटकर आए । 22. चाँदी लूट कर आए । 23. नग लूटकर आए । 24. नगद रूपया लूटकर आए । 25. जमीनी दलाली से आए । 26. काला बाजारी से आए । 27. मुनाफा खोरी से आए । 28. रिस्वत से आए । 29. काला धन से आए । 30. टैक्स चोरी करके आए । 31. जनता व्दारा जमा टैक्स लूटकर आए । 32. देश सुरक्षा वैपन की दलाली से आए । 33. देश की गुप्त जानकारीयां बेचने से आए । 34. देश का खनिज बेंचकर आए । 35. जंगल काट कर आए । 36. जंगल की कीमती लकडी बेंच कर आए । 37. जंगली जानवरों को बेच कर आए । 38. जंगली जानवरों के अंग बेच कर आए । 39. बैंक डकैती से आए । 40. बैंक से गबन से आए । 41. बैंक दिवालिया से आए । 42. बैंक धन हेरा फेरी से आए । 43. बैंक ए टी एम चोरी से आए । 44. इंसानी खरीद बिक्री से आये । 45. वैश्यावृत्ति से आए । 46. वैश्याओं की दलाली से आए । 47. दहेज से आए । 48. दूसरी शादी से आए । 49. बच्चों से भीख मगाँ कर आए । 50. भीख माँग कर आए । 51. भ्रूणं हत्या से आए । 52. खून बेचं कर आए । 53. भ्रष्टचाचार से आए । 54. स्कूली डोनेशन से आए । 55. स्कूली मनचाही फीस से आए । 56. टियूशन य क्लासेस की मनचाही फीस से आए । 57. मरीजों से मनचाहा धन लेकर आए । आदि य अन्य किसी भी । अनैतिक रास्ते से आए ।

Copy Right Diary Number 3968/2015-CO/L

मेरा भारत महान

8. रूपया नोट धन । हाथ मे आते ही । व्यक्ति । उस रूपया नोट धन का । मालिक हो जाता है ।
9. उस रूपया नोट से । कुछ भी खरीद सकता है । कितना भी खरीद सकता है ।
10. नागरिक । उस रूपया नोट धन को । मनमर्जी तरीके से खर्चा करता सकता है ।
11. क्योकी । खर्चा करने मे । कोई रोक टोक नही है । रूपया नोट धन को खर्चा करने की । खुली आजादी है । .

आज नागरिक को आजादी है की

1. नगद रूपया नोट धन से । कितने भी घर खरीदे ।
2. नगद रूपया नोट धन से । कितने भी बंगले खरीदे ।
3. नगद रूपया नोट धन से । कितनी भी कोठी खरीदे ।
4. नगद रूपया नोट धन से । कितने भी प्लाट खरीदे ।
5. नगद रूपया नोट धन से । कितनी भी खेती जमीन खरीदे ।
6. नगद रूपया नोट धन से । कितना भी सोना खरीदे ।
7. नगद रूपया नोट धन से । कितनी भी चांदी खरीदे ।
8. नगद रूपया नोट धन से । कितना भी नग खरीदे ।
9. नगद रूपया नोट धन से । कितनी भी गाडियां खरीदे ।
10. नगद रूपया नोट धन । देश । य विदेशों के । किसी भी बैंक मे । धन जमा करे । कोई रोक टोक नही है ।
11. रूपया नोट । जिसके जिसके हाँथ मे है । वह व्यक्ति रूपया नोट का । मालिक होता है । वह रूपया नोट को । जैसे चाहे । वैसे खर्चा कर सकता है ।
12. व्यक्ति के । गाढी मेहनत की कमाई । किसी भी । दूसरे व्यक्ति के । हाँथ मे आते ही ।
13. व्यक्ति आसानी से । खर्चा कर सकता है ।
14. यह एक । महान अव्दतीय सुविधा है । जो हमारे पूर्वजों ने । हमे बनाकर दिया है ।
15. कि हम इंसानी समस्यायों को । आसानी से हल कर सके ।
16. लेकिन हम । स्वार्थी लोग । स्वार्थ मे अन्धे होकर । पूर्वजों व्दारा बनाई गई । इस महान अव्दतीय सुविधा का । गलत उपयोग करने लगे हैं ।
17. इसे रोकना बहुत जरूरी है ।

समाधान उपाय जीसियो नियम फार्मूला नगद धन

1. विश्व मे । य भारत मे । नगद रूपया नोट का चलन बन्द होकर । नगद रूपया नोट की जगह ।
2. कार्डों का चलन होने से । विश्व की । य भारत की । सभी समस्याओं का । अन्त हो जायेगा ।

मेरा भारत महान

Copy Right Diary Number 3968/2015-CO/L

3. कार्डो का चलन होने पर । जिस व्यक्ति के । गाढी मेहनत की कमाई है । सिर्फ । वही व्यक्ति खर्चा कर सकता है ।
4. किसी भी दूसरे व्यक्ति के । हाँथ मे आने पर भी । दूसरा व्यक्ति । किसी के गाढी मेहनत की कमाई । खर्चा नही कर सकता है ।
5. आज हमारे भारत मे । हमारी मेहनत की कमाई । जिसके भी हाँथ मे चली जाये । वही व्यक्ति उस धन का । मालिक बन जाता है ।
6. जीसियो नियम से । हमारे मेहनत की कमाई । हमारे अलावा । विश्व का । कोई भी व्यक्ति । उपयोग नही कर सकता ।

निर्दोश नागरिक

1. लेखक विश्व के । य भारत के । किसी भी नागरिक को । दोशी नही मानता है ।
2. चाहे । सत्ताधारी नेता । विपक्ष नेता । सहयोगी नेता । य छोटे बडे नेताओं । उच्च न्ययाधीश । से चपरासी तक । जल । थल । वायु । तीनो सेना । तीनो सेनाओं के अध्यक्ष रास्ट्रपती । से कांसटेबल तक । सत्ता रूढ पार्टी के । पी एम से लेकर । नगर सेवक । प्रधान तक । छोटे । य बडे व्यापारी तक । हर सरकारी । य प्राइवेट कर्मचारी को । सरकारी य प्राइवेट डाक्टर । सरकारी य प्राइवेट वकील । सरकारी य प्राइवेट इन्जीनियर । सरकारी य प्राईवेट आर्कीटेक्ट । चार्टेटेड एकाउन्टेड सी ए । छोटे किसान से लेकर । बडे किसान तक । भिखारी । से लेकर पूंजीपती तक । य अन्य किसी भी नागरिक को । किसी को भी दोशी नही मानता है ।
3. हर नागरिक । देश भक्त है । सभी नागरिक । टैक्स देकर । देश को चलाने मे मदद करते है ।
4. दोश सिर्फ । धन की । स्वेच्छिक आजादी का है । सिस्टम खराब है । सिस्टम मे दोश है ।
5. सिस्टम दोशी होने के कारण । विश्व का हर नागरिक । न चाहते हुए भी । मजबूरी मे । खराब सिस्टम मे फँसता है । और पिसता है । और गलत बन जाता है ।
6. लेखक । भारत सरकार को भी । दोशी नही मानता है । भारत सरकार भी । बिगडे हुए सिस्टम का एक हिस्सा है । इसीलिए । भारत सरकार का भी । कहीं कोई । दोश नही है ।
7. आज विश्व मे । हमारी मेहनत की कमाई । जिसके भी हाँथ मे । चली जाये । वही व्यक्ति । उस धन का । मालिक बन जाता है ।
8. जीसियो नियम से । हमारे मेहनत की कमाई । हमारे अलावा । विश्व का । कोई भी व्यक्ति उपयोग । नही कर सकता ।
9. आज धन । जिसके हाँथ मे होता है । वही उस धन का । मालिक होता है ।
10. इसीलिए लेखक । विश्व के । किसी भी नागरिक को । दोशी नही मानता है । सिर्फ । सिस्टम को दोशी मानता है ।

Copy Right Diary Number 3968/2015-CO/L

11. यदि । किसी समूह के बारे मे । य भारत सरकार के बारे मे । लिखा गया है । तो सिर्फ । समस्या को । उजागर करने के उद्देश्य से । लिखा गया है ।
12. किसी को भी । दोशी बनाने के उददेश्य से । नही लिखा गया है ।
13. फिर भी यदि । किसी भी समूह को । य भारत सरकार को । बुरा लगे तो । लेखक को माफ करना ।
14. क्योंकि समस्यॉओं को । उजागर करना जरूरी है ।
15. जीसियो नियम व्दारा । सिस्टम को सही करने से । विश्व का । प्रत्येक नागरिक सही रहेगा । और । राहत की साँस लेगा ।
16. लेखक । भारत सरकार को भी । दोशी नही ठहराता । क्योंकि सिस्टम खराब है ।
17. लेखक का । भारत सरकार से अनुरोध है । कि सिस्टम को सही करके । विश्व अग्रणी होने की तरफ । पहला कदम उठाये ।

जय विश्व अग्रणी भारत की

मेरा भारत महान

Copy Right Diary Number 3968/2015-CO/L